%%A. D. 1190 ― 1435

%%or Śaka 1112 – 1357

%% p. 656

NO. 343

Lakshmī-Narasiṃha Temple at Simhāchalaṃ<1>

( S. I. I. Vol. VI, No. 819; A. R. No. 282-X of 1899 )

Ś. 1295

(१।) स्वस्ति श्री [।।] शाकाव्दे वाण-रत्नार्काकिते चैत्य्रां भृगुदिने प्रादात् कं[चि]महासे-

(२।) नापतिः पुष्पास्रजाःहरेः ।। स्व(श)कवरुषंवुलु १२९५ गुनें[टि] चैत्र वि-

(३।) मल पुन्न(र्ण्ण)म(मि)यु शुक्रवारमुनांडु<2> कलिगव्यापारि कंचिमहासेनाप-

(४।) ति तन भार्य्य(र्य्या)कुं वु(पु)ण्यमुगा श्रीनरसि[ं]हनातु(थु)निकि नित्यमुन्नु ओक

(५।) तिरुमाल चातनु श्रीभंडाराननु गंडमाडलु ५ पद्मनिधि वेट्टि नित्य

(६।) कुंचंडु प्रसादमु वृति(त्ति)गा वडसि अनवाल अन्नमकुं वेटे-

(७।) नु इतंडु ई प्रसादमु भुजिचि नित्यमुन्नु तिरुमा[ल] तेचि(च्चि) पेट-

(८।) ंगलांडु ई ंं एनु मडलु पद्मनिधि पेट्टि नित्य रेंडं(ड्डा)डलु विय्य-

(९।) मु वृत्तिगां [व]डशि गंगाधरज्योदि(ति) गद(दा)धर देवर ... ... ...

(१०।) ंय[धू]पल नित्यमुनु एत्तन्नु [मु]दप चिगु-

(११।) नायुनिकि वेलिगुडि निवद्ध समस्यगां वेट्ट(ट्ट)नु ई

(१२।) धर्म्म श्रीवैष्णव रक्ष श्री श्री श्री [।।]

<1. In the thirteenth niche of the verandah round the central shrine of this temple.>

<2. The corresponding date is the 8th April, 1373 A. D., Friday.>